Signature and Name of Invigilator

1. (Signature) _____

   (Name) _____

2. (Signature) _____

   (Name) _____

Roll No. | | | | | | | |
(In figures as per admission card)

Roll No. _____
(In words)

Test Booklet No.

D—7905

PAPER—III

VISUAL ARTS

Time : 2½ hours] **[Maximum Marks : 200**

Number of Pages in this Booklet : **40** Number of Questions in this Booklet : **26**

Instructions for the Candidates

1. Write your roll number in the space provided on the top of this page.
2. Answers to short answer/essay type questions are to be given in the space provided below each question or after the questions in the Test Booklet itself.

   No Additional Sheets are to be used.
3. At the commencement of examination, the question booklet will be given to you. In the first 5 minutes, you are requested to open the booklet and compulsorily examine it as below :

   (i) To have access to the Test Booklet, tear off the paper seal on the edge of this cover page. Do not accept a booklet without sticker-seal and do not accept an open booklet.

   (ii) **Tally the number of pages and number of questions in the booklet with the information printed on the cover page. Faulty booklets due to pages/questions missing or duplicate or not in serial order or any other discrepancy should be got replaced immediately by a correct booklet from the invigilator within the period of 5 minutes. Afterwards, neither the question booklet will be replaced nor any extra time will be given.**
4. Read instructions given inside carefully.
5. One page is attached for Rough Work at the end of the booklet before the Evaluation Sheet.
6. If you write your name or put any mark on any part of the Answer Sheet, except for the space allotted for the relevant entries, which may disclose your identity, you will render yourself liable to disqualification.
7. You have to return the Test booklet to the invigilators at the end of the examination compulsorily and must not carry it with you outside the Examination Hall.
8. **Use only Blue/Black Ball point pen.**
9. **Use of any calculator or log table etc. is prohibited.**
10. **There is NO negative marking.**

परीक्षार्थियों के लिए निर्देश

1. पहले पृष्ठ के ऊपर नियत स्थान पर अपना रोल नम्बर लिखिए।
2. लघु प्रश्न तथा निबंध प्रकार के प्रश्नों के उत्तर, प्रत्येक प्रश्न के नीचे या प्रश्नों के बाद में दिये हुये रिक्त स्थान पर ही लिखिये।

   इसके लिए कोई अतिरिक्त कागज का उपयोग नहीं करना है।
3. परीक्षा प्रारम्भ होने पर, प्रश्न-पुस्तिका आपको दे दी जायेगी। पहले पाँच मिनट आपको प्रश्न-पुस्तिका खोलने तथा उसकी निम्नलिखित जाँच के लिए दिये जायेंगे जिसकी जाँच आपको अवश्य करनी है :

   (i) प्रश्न-पुस्तिका खोलने के लिए उसके कवर पेज पर लगी सील को फाड़ लें। खुली हुई या बिना स्टीकर-सील की पुस्तिका स्वीकार न करें।

   (ii) **कवर पृष्ठ पर छपे निर्देशानुसार प्रश्न-पुस्तिका के पृष्ठ तथा प्रश्नों की संख्या को अच्छी तरह चैक कर लें कि ये पूरे हैं। दोषपूर्ण पुस्तिका जिनमें पृष्ठ/प्रश्न कम हों या दुबारा आ गये हों या सीरियल में न हों अर्थात किसी भी प्रकार की त्रुटिपूर्ण पुस्तिका स्वीकार न करें तथा उसी समय उसे लौटाकर उसके स्थान पर दूसरी सही प्रश्न-पुस्तिका ले लें। इसके लिए आपको पाँच मिनट दिये जायेंगे। उसके बाद न तो आपकी प्रश्न-पुस्तिका वापस ली जायेगी और न ही आपको अतिरिक्त समय दिया जायेगा।**
4. अन्दर दिये गये निर्देशों को ध्यानपूर्वक पढ़ें।
5. उत्तर-पुस्तिका के अन्त में कच्चा काम (Rough Work) करने के लिए मूल्यांकन शीट से पहले एक पृष्ठ दिया हुआ है।
6. यदि आप उत्तर-पुस्तिका पर अपना नाम या ऐसा कोई भी निशान जिससे आपकी पहचान हो सके, किसी भी भाग पर दर्शाते या अंकित करते हैं तो परीक्षा के लिये अयोग्य घोषित कर दिये जायेंगे।
7. आपको परीक्षा समाप्त होने पर उत्तर-पुस्तिका निरीक्षक महोदय को लौटाना आवश्यक है और इसे परीक्षा समाप्ति के बाद अपने साथ परीक्षा भवन से बाहर न लेकर जायें।
8. **केवल नीले/काले बाल प्वाईंट पैन का ही इस्तेमाल करें।**
9. **किसी भी प्रकार का संगणक (कैलकुलेटर) या लाग टेबल आदि का प्रयोग वर्जित है।**
10. **गलत उत्तर के लिए अंक नहीं काटे जायेंगे।**

VISUAL ARTS

दृश्य कलाएँ

PAPER – III

प्रश्न-पत्र – III

NOTE: **This paper is of two hundred (200) marks containing four (4) sections. Candidates are required to attempt the questions contained in these sections according to the detailed instructions given therein.**

नोट : यह प्रश्नपत्र दो सौ (200) अंकों का है एवं इसमें चार (4) खंड है। अभ्यर्थियों को इन में समाहित प्रश्नों का उत्तर अलग दिये गये विस्तृत निर्देशों के अनुसार देना है।

SECTION - I
खण्ड – I

Note : This section contains five (5) questions based on the following paragraph. Each question should be answered in about thirty (30) words and each carries five (5) marks.

(5x5=25 marks)

नोट : इस खंड में निम्नलिखित अनुच्छेद पर आधारित पाँच (5) प्रश्न हैं। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग तीस (30) शब्दों में अपेक्षित है। प्रत्येक प्रश्न पाँच (5) अंकों का है।

(5x5=25 अंक)

Read the passage below, and answer the questions that follow based on your understanding of the passage.

Art and Creativity in fact go together. Every original work of art bears the stamp of creativity and it is the degree of creativity in it that determines its artistic worth. Though the role of technique and skill is not ignored while assessing a work of art, it is the creative aspect which receives the greatest attention. In art, the genuine creator is not only a gifted being, but one who observes the nature in his own way, invents forms which may reflect his imagination, and arranges them for their best representation.

The creativity of an art work mainly depends on the co-ordination of the three phases of activity involved, viz., (i) keen and emotional observation, (ii) subjective interpretation, and (iii) original representation. The first two phases are mental, whereas the third which involves Technique and skill is a phase of manual production in coordination with the mental process.

Creation begins with the vision for the artist. The artist has to develop a habit of seeing things at first hand, so that his imagination in respect of personal interpretation can have its play without being too much affected by acquired conventional ideas. Many things that we see in our daily life are interpreted on the basis of what has been told to us. They evoke ready-made images which we have been accustomed to form about them.

In order to come out with creative ideas of our own we have to see things in our own way without distortion. The problem is not so acute for the child as he himself is part of Nature. The 'trailing clouds of glory' are still with him and he is in communion with nature. The world is not too much with him and has not weaned him away from Nature by putting on him the pressure of convention and tradition.

Every genuine creative effort comes from within. The two phases of creative work that have been discussed above function almost simultaneously in the artist to give meaning to the external reality. Once he has given a new meaning to what he has observed, the object of art becomes entirely his own personal experience which he then depicts externally in his own way. To create is to express what one has personally experienced within himself.

निम्नलिखित उद्धरण को ध्यानपूर्वक पढ़ कर और समझकर उसके आधार पर इसके बाद में आने वाले प्रश्नों के उत्तर दें।

कला तथा सृजनात्मकता साथ-साथ रहती हैं। कला की प्रत्येक मौलिक कृति पर सृजनात्मकता की मुहर लगी होती है और उस कृति में विद्यमान सृजनात्मकता की मात्रा उसकी कलात्मक समृद्धता का निर्धारण करती है । यद्यपि कला की किसी कृति का मूल्यांकन करते समय तकनीक एवं कौशल की भूमिका को अनदेखा नहीं किया जा सकता, तथापि सृजनात्मक पहलू पर ही अधिक ध्यान जाता है । कला के क्षेत्र में असली सृजनशील व्यक्ति न केवल प्रतिभासम्पन्न होता है, बल्कि वह प्रकृति का अवलोकन अपनी दृष्टि से करता है। रूपों का आविष्कार करता है जो उसकी कल्पनाशक्ति को प्रतिबिम्बित करता है तथा सर्वोत्तम रूप में प्रतिधिकरण के लिए उन्हें व्यवस्थित करता है।

किसी कलाकृति की सृजनात्मकता उससे संबंधित गतिविधियों की तीन अवस्थाओं के तालमेल पर निर्भर करती है। ये हैं (1) उत्साही पैना एवं संवेगी अवलोकन (2) स्वनिष्ठ व्याख्या, तथा (3) मौलिक प्रस्तुतीकरण पहले दो पक्ष मानसिक हैं जबकि तीसरा पक्ष, जिसका संबंध तकनीक तथा कौशल से है, मानसिक प्रक्रिया के साथ तालमेल द्वारा मैनुअल उत्पादन से संबंधित है ।

सृजनात्मकता कलाकार की अन्तर्दृष्टि उत्पन्न होती है । कलाकार को सबसे पहले संबंधित विषय-वस्तुओं को यथापत देखने की आदत डालनी चाहिए ताकि स्वनिष्ठ व्याख्या के परिप्रेक्ष्य में परंपरा अर्जित विचारों से अधिक प्रभावित हुए बिना-उसकी कल्पनाशक्ति अपनी भूमिका निभा सके । अपने रोज के जीवन में जिन वस्तुओं को देखते हैं उनमें से अनेकों की व्याख्या उसी प्रकार से करते है. जैसा हमें उनके बारे में बताया गया है। वे तैयार शुदा बिम्बों को उत्पन्न करते हैं जिन्हें निर्मित करने के हम आदी हो चुके हैं ।

अपने सृजनात्मक विचार को सामने लाने के लिए हमे वस्तुओं को, बिना तोडे-मरोड़े अपने तरीके से देखना होगा। एक बच्चे के लिए ऐसा करना कठिन नहीं क्योंकि वह स्वयं ही प्रकृति का हिस्सा है । गौरव के धमाचौकड़ी मचाते बादल उसके साथ रहते हैं और वह प्रकृति के साथ परस्पर संप्रेषणीयता बनाये रखता है। उसके लिए दुनिया बहुत मायने नहीं रखती तथा उस पर परंपराओं और प्रथाओं का दबाव बनाकर उसे प्रकृति से दूर नहीं कर पाई है ।

प्रत्येक वास्तविक सृजनात्मक प्रयास हमारे अंतर से उदभूत होता है । सृजनात्मक कार्य के उपरिलिखित दो पक्ष बाह्य यथार्थ को अर्थ देने के लिए लगभग एक ही समय कार्य करते है । किसी वस्तु का अवलोकन कर जैसे ही कलाकार उसे एक नया अर्थ देता है उसकी कलाकृति उसके व्यक्तिगत अनुभव को प्रतिबिंबित करती है तथा तदुपरात वह उसे बाह्य रुप में चित्रित करता है 'सृजन' का अर्थ है अपने अन्दर की व्यक्तिगत अनुभूति की अभिव्यक्ति

1. What are the main factors on which the creativity depends ? Explain their significances.

वे कौन से प्रमुख तत्त्व हैं जिनपर सृजनात्मकता निर्भर करती है ? उनके महत्व की व्याख्या करें ।

2. Do you agree that, a child artist, as a creator is free from influences of convention and tradition.

क्या आप इस बात से सहमत हैं कि सर्जक के रुप में एक बाल कलाकार परंपरा एवं प्रथा के प्रभावों से मुक्त होता है ?

3. How an adult artist can learn from the child art ?

एक वयस्क कलाकार किस प्रकार किसी बच्चे से कला सीख सकता है ?

4. "To create is to express what one personally experienced within himself". State your opinion and explain in short.

सृजन का अर्थ है अपने अंदर की व्यक्तिगत अनुभूति की अभिव्यक्ति-अपनी राय दें तथा संक्षिप्त व्याख्या करें।

5. Explain what representation of work of art involves as stated in the given passage.
कला की कृति के प्रतिनिधिकरण में क्या संन्निहित है इसकी व्याख्या करें जैसा कि दिए उद्धरण में दिया गया है।

SECTION - II

खण्ड – II

Note : This section contains fifteen (15) questions each to be answered in about thirty (30) words. Each question carries five (5) marks.

(5x15=75 marks)

नोट : इस खंड में पाँच-पाँच (5-5) अंकों के पंद्रह (15) प्रश्न हैं। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग तीस (30) शब्दों में अपेक्षित है। प्रत्येक प्रश्न पाँच (5) अंकों का है।

(5x15=75 अंक)

6. What is Fauveism ? Whom do you consider the pioneer of fauveism.
फॉविज़्म् क्या है । फॉविज़्म् का पथ प्रदर्शक आप किसको मानते हैं ?

7. What are the functions of a layout ?
लेआऊट के कार्य क्या है ?

8. What is the principle of the letterpress printing ?
लेटरप्रेस मुद्रण के सिद्धांत क्या हैं ?

9. Define 'Surrealism'. Who was the first painter in Europe to start this movement.
सुरियालीजम् की व्याख्या दीजिए । युरोप इस आंदोलन का प्रारंभ करनेवाले चित्रकार का नाम क्या था ?

10. Explain the term "Offset".

'ऑफसेट' इस पद को समझाएँ

11. Other than Picasso, name one master of cubism and abstract art during his time. Write on the subject matter of his paintings.

पिकासो की तरह, क्युबीझम और अमूर्त कला के और एक महान चित्रकार का नाम बताईए और उसके चित्रों के विषयों के बारे में लिखिए ।

12. What is marble ? Give geological information of its formation.
संगमरमर क्या है ? उसके गठन के भूगर्भिय शास्त्रीय माहीती दें ।

13. Discuss the importance of medium in making of sculptures. Give references.
उदाहरणों के साथ शिल्प के निर्माण में माध्यम के महत्व की चर्चा कीजीए ।

14. What are the special characteristic of Meera Mukherjee's sculptures. Explain.
मीरा मुखर्जी के शिल्पौ की खास विशेषताएँ क्या है । समझाईए ।

15. What are the five elements of art redefined by Naum Gabo in Realistic Manifesto :
रिआलीस्टीक मेनीफेस्टोमें, नोम गाबो द्वारा पुनर्घोषित कला के पांच तत्व क्या हैं ?

16. What is pictorial harmony in painting ?
चित्र में चित्रात्मक तादात्म्य क्या है ?

17. What are the 'nava rasas' as per the rasa theory of Bharat Natya Sastra ?
भरत नाट्य् शास्त्र के अनुसार रस सिध्दातों के अनुसार नव-रस कौनसे हैं ?

18. What is an Original print ?

मुल-छापा कृति किसे कहते हैं ?

19. Monoprint is not a print - Give justifications.

मोनोप्रिन्ट छापा कृति नही हैं - तर्कसंगत जवाब दीजिए ?

20. Explain the causes of bleeding of ink in printing.

छपाई में स्याही के ब्लीडिंग के कारण समझाएँ ।

SECTION - III
खण्ड – III

Note : This section contains five (5) questions from each of the electives / specialisations. The candidate has to choose only one elective / specialisation and answer all the five questions from it. Each question carries twelve (12) marks and is to be answered in about two hundred (200) words.

(12x5=60 marks)

नोट : इस खंड में प्रत्येक ऐच्छिक इकाई/विशेषज्ञता से पाँच (5) प्रश्न हैं। अभ्यर्थी को केवल एक ऐच्छिक इकाई/विशेषज्ञता को चुनकर उसी में से पाँचो प्रश्नों का उत्तर देना है। प्रत्येक प्रश्न बारह (12) अंकों का है व उसका उत्तर लगभग दो सौ (200) शब्दों में अपेक्षित है।

(12x5=60 अंक)

Elective - I / विकल्प – I

ART HISTORY / कला-इतिहास

21. Discuss the relevance of the concept of Indianness in Modern Indian Art.
आधुनिक भारतीय कला में भारतीयता के संकल्पना के औचित्य की चर्चा कीजिए ।

22. What is conceptual art ? Explain with examples.
वैचारिक कला क्या हैं । उदाहरणों के सात समझाएँ ।

23. Trace the main factors responsible for development of modern art in west.
पश्चिम में आधुनिक कला के प्रगति के मुख्य कारण ढुंढीए ।

24. In what respect the 'post-impressionism' defers from 'impressionism'.
किस भांति उत्तर-प्रभाववाद प्रभाववाद से भिन्न है ?

25. Whom do you consider the first modern painter in true sense - discuss.
सही मायने में आप किस पहले चित्रकार को आधुनिक चित्रकार मानते हैं ।

OR / अथवा

Elective - II / विकल्प – II

SCULPTURE / शिल्प कला

21. Choose any three Indian sculptors who are known for portraiture and explain their choice of models with their style of modelling - Give references.
व्यक्ति-शिल्पों के लिए जाने जानेवाले किसी तीन भारतीय शिल्पकारों को चुनिए । उनके काम करने के तरीके और व्यक्तिचित्रण के मॉडेल्स के चुनाव के तरीकों के बारे में बताइए ।

22. Take two examples each of marble sculptures of M. Dharmani, Balbir Singh Katt, Ramesh Pateria, Discuss the difference of Approach of these sculptors
एम. धरमाणी, बलबीर सींग कट्ट और रमेश पटेरीया के बनाए हुए मार्बल शिल्पों में से दो दो शिल्प चुनिए और उनके अलग अलग काम करने के तरीकों की चर्चा कीजिए।

23. Installation is painting or sculpture ? Is this art relevant in India ? Explain with examples.
इंस्टॉलेशन चित्रकृती है या शिल्प? क्या यह कला भारत से संबंधित है? उदाहरणों के साथ समझाएँ।

24. Explain the basic differences in the sculptures of Jacob Epstein and Henri Moore. Give examples.

जॅकब एप्स्टाईन और हेन्री मूर के शिल्पकृतियों की मुलभूत भिन्नता उदाहरणों के साथ समझाएँ।

25. How can the same composition be very different when made in stone or metal. Why and how extra liberty is possible when executing in metal. Give references.

पत्थर और धातु में बनायी गयी एक ही संरचना भिन्न क्यों होती है? यही संरचना धातु में बनाते समय क्यों और कितने आझादी की शक्यता है? संदर्भ के साथ समझाइए।

OR / अथवा

Elective - III / विकल्प – III

PRINT MAKING / छापा-कला

21. Serigraphy is a versatile method of printing - Justify

सेरीग्राफी - एक बहुमूखी छापा- कला है। उचित न्याय दो।

22. Explain the lithography process starting from stone preparation

पत्थर तैयार करने से लेकर लिथोग्राफी की पुरी पद्धति बताईये।

23. Explain the works of one of the print maker of India whose works you like most with his/her techniques.

किसी एक भारतीय छापा-कलाकार के काम जो आपको पसंद हैं, उनके काम करने के तकनीक के बारे में लीखिए।

24. Explain various mediums of relief printing ? Explain printing of V.R. Patel

रिलीफ-प्रींटींग अनेक मध्यम के बारे में समझाएँ। वि.आर. पटेल के प्रींटींग के बारे में लिखीए।

25. What is sugar lift in etching ? Explain in details.

एचिंग मे सुगर-लिफ्ट क्या होता है। विस्तार से समझाएँ।

OR / अथवा

Elective - IV / विकल्प – IV

APPLIED ART / व्यवसायिक कला

21. Discuss the internet as an advertising medium.

इंटरनेट–एक जाहिरात माध्यम के रूप में चर्चा कीजीए।

22. Looking at the technological developments taken place in the mass communication, do you think that there is still scope for the traditional skill ? Discuss your views.

जन–संचार पद्धति में जो तकनीकी विकास हो रहा है, उनको ध्यान में रखते हुए पारंपारिक निपुणता की गुंजाईश के बारे में अपने विचार लिखिए।

23. The designer has to consider computer as a tool only and not an alternative for creativity. Express your views and discuss.

डिझाईनर को, कंप्युटर एक साधन, न की सर्जनशक्ति का विकल्प समझना चाहिए, आपके विचार लिखिए।

24. Old saying is the designer should be a jack of all trades, an allrounder personality who knows how to list the road and run. What you want to be ? A specialized, skilled designer or an allrounder - Elaborate your views.

पुराणा कहना है की डिझाईनर की बहु–मुखी प्रतिभा होनी चाहिए, जो किसी भी चुनौती का सामना करे और अपनी प्रतिभा निखारें। आप क्या बनना चाहते हैं – एक विशिष्ट प्रतिभा का व्यक्ति अथवा एक बहु–मुखी व्यक्ति – अपने विचार लिखिए।

25. What is typography ? Define and explain (a) font (b) family of font (c) series of fonts. Also discuss what is good typography.

टाईपोग्राफी क्या है ? व्याख्या देकर समझाएँ – (1) फॉंट (2) फॉंट की फॅमली (3) सीरीज् ऑफ फॉंट तथा अच्छी टाईपोग्राफी क्या होती है – लिखिए.

OR / अथवा

Elective - V / विकल्प – V

(DRAWING AND PAINTING) / (ड्रॉईंग और पेंटिंग)

21. What is Pahari Qualam ? Name the theme of the Pahari Miniature painting. Why the subject matter is different from Rajasthan miniature painting ?

पहाड़ी कलम क्या है ? पहाड़ी मिनीएचर पेंटींग का विषय वस्तु कौनसा है ? राजस्थान मिनीएचर पेंटींग से उनका विषय वस्तु कैसे अलग है ?

22. Why the term 'company painting' is used for a special kind of painting during the early British rule.

प्रारंभिक ब्रिटीश शासन दौरान एक विशिष्ट चित्रों को क्यों ''कंपनी पेंटींग्ज'' के नाम से जाना जाता था।

23. What is Folk Painting ? How the religious and social themes are expressed in Folk Painting ? Explain with examples.

लोक-चित्र कला (फोल्क पेंटींग्ज) क्या होती हैं? धार्मिक और सामाजिक विषय लोक चित्रों में किस तरह दिखाएँ जाते थे? उदाहरण सहित समझाएँ।

24. Compare the two very different paintings of the same subject 'the three Graces' - one by Baldung and one by Rubeus.

बाल्डंग और रुबेन्स के बनाए हुए, एक ही विषय के ''दी थ्री ग्रेसीस'' - बिल्कुल ही अलग दो चित्रों की तुलना कीजिए।

25. Rembrandt's qualities as a portrait painter were apparent from the beginning of his career - Elaborate.

रेम्ब्रा के जीवन की शुरुआत से ही - एक व्यक्ति - चित्रकार के गुण विद्यमान थे-विस्तारपूर्वक लिखिए।

SECTION - IV

खण्ड – IV

Note : This section consists of one essay type question of forty (40) marks to be answered in about one thousand (1000) words on any of the following topics. This question carries 40 marks.

(40x1=40 marks)

नोट : इस खंड में एक चालीस (40) अंको का निबन्धात्मक प्रश्न है जिसका उत्तर निम्नलिखित विषयों में से केवल एक पर, लगभग एक हजार (1000) शब्दों में अपेक्षित है।

(40x1=40 अंक)

26. How the advertising campaign takes place from initial briefing to the final execution

संक्षिप्त विवरण से लेकर अतिंम प्रदर्शन तक – अेड्वर्टाईझिंग केम्पेन कैसे तयार होता है।

OR / अथवा

Indianness in Art has been much debated in the 1960's. Mention the sculptors whose sculptures justified the above given statement - explain.

कला में भारतियता – यह विषय 1960 के साल में बहुत चर्चित रहा। इस कथन को सत्य साबित करनेवाले शिल्पों के कलाकारों के बारे में लिखिए।

OR / अथवा

Reproductions vs Original prints.

पुनरुत्पादन बनाम मुल-छापा कृती

OR / अथवा

Why European realistic idiom of art was popularly adopted by Indian artists since British Colonial rule in India.

भारत में ब्रिटीश कोलीनीयल शासन के दौरान, युरोपियन वास्तववादी कला के परिभाषा को, भारतीय कलाकारों ने सार्वजनिक रूप से अपनाया। क्यों?

OR / अथवा

Briefly discuss the major factors leading to constant innovation in Modern Art movement of the west.

पश्चिम के आधुनिक कला आंदोलन में अनवृत नवप्रवर्तन उत्पन्न करनेवाले प्रमुख तत्वों की संक्षिप्त चर्चा करें.

FOR OFFICE USE ONLY							
Marks Obtained							
Question Number	Marks Obtained	Question Number	Marks Obtained	Question Number	Marks Obtained	Question Number	Marks Obtained
1		26		51		76	
2		27		52		77	
3		28		53		78	
4		29		54		79	
5		30		55		80	
6		31		56		81	
7		32		57		82	
8		33		58		83	
9		34		59		84	
10		35		60		85	
11		36		61		86	
12		37		62		87	
13		38		63		88	
14		39		64		89	
15		40		65		90	
16		41		66		91	
17		42		67		92	
18		43		68		93	
19		44		69		94	
20		45		70		95	
21		46		71		96	
22		47		72		97	
23		48		73		98	
24		49		74		99	
25		50		75		100	

Total Marks Obtained (in words) .....

(in figures) .....

Signature & Name of the Coordinator .....

(Evaluation) Date .....